



### हरदासपुर शासकीय उचित मूल्य दुकान में नमक-शक्कर वितरण को लेकर उठे सवाल

मैहर। ग्राम पंचायत हरदासपुर की शासकीय उचित मूल्य दुकान में गरीब हितवाहियों को मिलने वाले खाद्यान्न का वितरण का नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं के द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्हें नमक और शक्कर का वितरण को लेकर आए दिन वाद विवाद होता रहता है। उपभोक्ताओं के द्वारा बताया जा रहा है कि जब वे शासकीय दुकान पर खाद्यान्न लेने पहुंचते हैं तो उनसे कहा जाता है कि वे स्वयं बोरी खोलें और खाद्यान्न की तौल करें। इससे हितवाहियों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

सवाल यह उठता है कि यदि शासकीय उचित मूल्य दुकान पर हितवाहियों को खाद्यान्न लेने के लिए स्वयं बोरी खोलकर तौल करना पड़े,तो फिर वितरण व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है? वहीं कोटेदार के द्वारा कथित रूप से यह बताया गया कि बोरी खोलने के लिए रखा गया है। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ कथित रूप से अमरुद शब्दों का प्रयोग किए जाने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि पूर्व में मैहर कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान उपभोक्ताओं को नियमानुसार फिगर लगाकर खाद्यान्न प्राप्त कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन हरदासपुर की शासकीय उचित मूल्य दुकान को लेकर सामने आ रहे आरोपों ने इन निर्देशों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### बाढ़ पीड़ित रंगौली और सोहास में बांटे साड़ियां और भोजन पैकेट

सतना। जिले में आई प्राकृतिक आपदा और बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सनातनी सेवक पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी 'शिवा' लगातार सात दिनों से धरताल पर डटे हुए हैं। सेवा ही संकल्प के ध्येय वाक्य के साथ पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी विरंतर प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर हर संभव सहायता पहुंचा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी 'शिवा' बाढ़ प्रभावित ग्राम रंगौली एवं सोहास पहुंचे। वहां आपदा से जूझ रही महिलाओं को 1500 साड़ियां वितरित की गईं,साथ ही भूखे और परेशान ग्रामीणों के लिए 2000 ताजे व गरम-गरम भोजन के पैकेट बांटे गए। राहत सामग्री वितरण के दौरान छोटे-छोटे बच्चों और बुजुर्गों को भी उनकी जरूरत के अनुसार वस्त्र प्रदान किए गए। विगत एक सप्ताह से लगातार जारी इस राहत अभियान में पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी क्षिा थके जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर अपनी ओर से हर संभव सेवा भाव समर्पित कर रहे हैं।

### मझगांव में ब्रह्माकुमारीन संस्था ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई

सतना। मझगांव में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय,मझगांव सेवा केंद्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पालन अवसर पर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मझगांव सेवा केंद्र की संघालिका बंके मंजु ने श्रीकृष्ण के जीवन,उनके दिव्य गुणों एवं आध्यात्मिक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन पवित्रता,प्रेम,शान्ति,सत्य और श्रेष्ठ संस्कारों का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में अपनाने से मन को शान्ति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। बंके मंजु ने आध्यात्मिक स्पर्श के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि आज के तनावपूर्ण वातावरण में मनुष्य को बाहरी सुख-सुविधाओं के साथ-साथ अपने मन को भी शान्ति और सकारात्मक विचारों से भरने की आवश्यकता है। राजयोग मैडिटेशन एवं आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन ला सकता है। इस अवसर पर बच्चों ने श्रीकृष्ण के जीवन एवं संदेश पर आधारित सुंदर नृत्य एवं नाटक प्रस्तुत किए।

# नई सड़क पर फिर चला सीवर कंपनी का हथौड़ा मारुति नगर के वार्ड 10 में फूटा रहवासियों का गुस्सा

सतना। शहर के वार्ड क्रमांक 10,मारुति नगर में नगर निगम की अनदेखी और निर्माण एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी का खमियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। महापौर और क्षेत्रीय पार्षद के प्रयासों से हाल ही में बनकर तैयार हुई चमचमाती सड़क को सीवर कंपनी के ठेकेदारों द्वारा चेंबर बनाने के नाम पर दोबारा खोदा जा रहा है। लाखों रुपये की लागत से बनी सड़क के सत्यानाश होने से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है।

### जब सड़क बन रही थी,तब नींद में क्यों थी सीवर कंपनी?

स्थानीय रहवासियों ने सड़क की खुदाई का कड़ा विरोध करते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि जब सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था,उस समय सीवर लाइन बिछाने या चेंबर बनाने का काम पूरा क्यों नहीं किया गया? सड़क बनकर तैयार होते ही अचानक सीवर कंपनी को चेंबर याद क्यों आए? क्या यह जनता के टैक्स के पैसों की सरेआम बर्बादी और ठेकेदारों की आपसी साठगांठ का नतीजा नहीं है?



### बहाया जा रहा सरकारी खजाना,धूल और गड़ों से जनता परेशान

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीवर कंपनी के



तथाकथित ठेकेदार अपनी सहूलियत के हिसाब से कभी भी बनी-बनाई सड़कों को खोद देते हैं। सड़क कटने से न सिर्फ सरकारी धन का नुकसान हो रहा है, बल्कि क्षेत्र में एक बार फिर गड़ें,धूल और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि अव्यवस्थित खुदाई तुरंत बंद नहीं की गई और खोदी गई सड़क की पूर्ववत गुणवत्ता के साथ मरम्मत नहीं हुई,तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

## दुबई से पति को ढूंढते सतना पहुंची 12 साल बड़ी पत्नी जबलपुर के गुरुद्वारे में की थी शादी, अब महिला थाने में लगाई न्याय की गुहार



सतना। जिले में एक बेहद अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है,जहां प्यार और शादी के बाद मिले धोखे के बाद एक महिला अपने पति को ढूंढते हुए दुबई से सतना आ पहुंची। पीड़ित महिला ने सीधे महिला थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसकी सास और ननद ने उसके पति को सतना में छुपा कर रखा है और उसे पति से संपर्क नहीं करने दिया जा रहा।

### 12 साल छोटे सुनील से गुरुद्वारे में रचाई थी शादी

दुबई निवासी पीड़िता असविंदर कौर के मुताबिक,

वह साल 2020 से सुनील ठाकुर नाम के युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।असविंदर ने अपनी पहली शादी के तलाक और अपने पति से 12 साल बड़े होने की बात सुनील और उसके परिवार को पहले ही बता दी थी। दोनों परिवारों की सहमति से बीते वर्ष 23 फरवरी 2025 को जबलपुर के एक गुरुद्वारे में पूरे रीति-रिवाज के साथ उनकी शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों दुबई में एक साथ रह रहे थे।

### 31 जुलाई को चकमा देकर भारत भागा पति

पीड़िता का आरोप है कि 31 जुलाई को उसका पति सुनील ठाकुर अचानक उसे बिना बताए दुबई से भागकर भारत आ गया।काफी खोजबीन के बाद असविंदर को सुराग मिला कि सुनील अपनी मां के साथ सतना स्थित अपनी बहन के घर में छुपा हुआ है। जब पति से किसी भी तरह का संपर्क नहीं हो पाया,तो महिला खुद सतना पहुंच गई।

### पुलिस जांच में जुटी

महिला थाने पहुंची पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। पुलिस ने असविंदर कौर की शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की गंभीरता को देखते हुए युवक की तलाश और जांच शुरू कर दी है।

## बारिश से कामता टोला में ढहे 10 से अधिक कच्चे घर, बेघर हुए मजदूर परिवार



### सतना।

बारिश ने भारी तबाही मचाई है। शहर के वार्ड क्रमांक 36 स्थित कामता टोला की कोलान बस्ती में बारिश के पानी और जलभराव के

कारण 10से अधिक कच्चे मकान ढह गए। इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।यह बस्ती मुख्य रूप से दैनिक मजदूरी कर अपना पेट पालने वाले गरीब परिवारों की है। मकान

गिर जाने से इनका राशन,कपड़े और गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया है। आशियाना छिन जाने से पीड़ितों के सामने रहने और भोजन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय निवासियों में शासन-

प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। प्रभावित परिवारों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द राहत कार्य चलाकर उनके लिए अस्थाई आश्रय,भोजन और नुकसान का उचित मुआवजा प्रदान करे।

## सतना जिला प्रशासन की सराहनीय पहल: चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान



सतना। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन को सामान्य बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी निष्ठा से जुट गया है। रविवार को जिला कलेक्टर सतना के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं मौके पर पहुंचकर सफाई कार्यों में श्रमदान किया।

### घाटों और बाजारों की सफाई में जुटी टीमें

जिला प्रशासन की टीम भरत घाट पर बिखरी रेत को हटाकर सफाई करने के साथ-साथ भरत घाट मार्ग पर जमा कीचड़ को ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरवाने के काम में जुटी रही। इसके साथ ही जनपद पंचायत मझगांव की अधिकारियों और



मैदानी कर्मचारियों की टीम नयागांव बाजार क्षेत्र से कीचड़ और मलबा हटाने का कार्य कर रही है। नगर परिषद चित्रकूट और नगर निगम सतना के सफाईकर्म भी लगातार गलियों और घाटों को साफ करने में लगे हुए हैं।

### कलेक्टर और एसपी ने लिया जायजा,जानी प्रभावितों की स्थिति

कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने चित्रकूट पहुंचकर भरत घाट तथा राघव प्रयाग घाट पर चल रहे सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित घरों में जाकर लोगों का हालचाल जाना और नुकसान का जायजा लिया।

## बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की पुण्यतिथि पर मैहर बैड के कलाकारों ने अर्पित की श्रद्धांजलि



बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ के स्वयं निर्मित नल तरंग वाद्य से उनकी प्रिय धुन प्रस्तुत कर संगीतमय श्रद्धांजलि दी। बाबा द्वारा निर्मित यह अनुठा वाद्य उनकी रचनात्मकता और संगीत साधना का अद्भुत उदाहरण है। बताया गया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बेकार पड़ी बंदूकों की नलियों से बाबा ने नल तरंग का निर्माण किया था। यह वाद्य आज भी देश-विदेश के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा की संगीत विरासत को जीवंत बनाए हुए है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मैहर बैड के कलाकारों ने सहभागिता की। कलाकारों ने कहा कि बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की संगीत साधना, अनुशासन और समर्पण भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए अमूल्य धरोहर है। मैहर घराने की इस महान परंपरा को आगे बढ़ाना ही बाबा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मैहर बैड के कलाकार सौरभ कुमार चौरसिया (बैंड मास्टर एवं नल तरंग),उत्तम पांडे (वायलिन),डॉ.अशोक बाड़ोलिया (तबला), बृजेश कुमार द्विवेदी (सरोद) एवं राम सुमन चौरसिया (सितार) ने सहभागिता की।

मैहर। विश्वविख्यात संगीत साधक एवं पद्मश्री बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की पुण्यतिथि पर मैहर बैड के कलाकारों ने मैहर स्थित बाबा के मदीना भवन एवं मजार पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कलाकारों द्वारा मजार पर पुष्प अर्पित कर धूप-बत्ती जलाई गई तथा पुष्पांजलि अर्पित कर बाबा की स्मृति को नमन किया गया। इस अवसर पर मैहर बैड के कलाकारों ने बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ के स्वयं निर्मित नल तरंग वाद्य से उनकी प्रिय धुन प्रस्तुत कर संगीतमय श्रद्धांजलि दी। बाबा द्वारा निर्मित यह अनुठा वाद्य उनकी रचनात्मकता और संगीत साधना का अद्भुत उदाहरण है। बताया गया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बेकार पड़ी बंदूकों की नलियों से बाबा ने नल तरंग का निर्माण किया था। यह वाद्य आज भी देश-विदेश के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा की संगीत विरासत को जीवंत बनाए हुए है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मैहर बैड के कलाकारों ने सहभागिता की। कलाकारों ने कहा कि बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की संगीत साधना, अनुशासन और समर्पण भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए अमूल्य धरोहर है। मैहर घराने की इस महान परंपरा को आगे बढ़ाना ही बाबा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मैहर बैड के कलाकार सौरभ कुमार चौरसिया (बैंड मास्टर एवं नल तरंग),उत्तम पांडे (वायलिन),डॉ.अशोक बाड़ोलिया (तबला), बृजेश कुमार द्विवेदी (सरोद) एवं राम सुमन चौरसिया (सितार) ने सहभागिता की।

## पुलिया टूटने से ग्रामीण परेशान,डिप्टी सीएम से डायवर्सन मार्ग की मांग

मैहर। जरियारी क्षेत्र में पुलिया टूटने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन से जल्द समाधान की मांग उठाई। जानकारी के अनुसार,मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल जब हाईवे से गुजर रहे थे,तभी ग्रामीणों ने उनकी गाड़ी रुकवाकर पुलिया टूटने की समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण गांव के लोगों,स्कूली बच्चों और अन्य राहगीरों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने तत्काल डायवर्सन मार्ग बनाए जाने की मांग की। ग्रामीणों के मुताबिक जरियारी की यह पुलिया नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा बनवाई गई थी।

बताया गया कि मार्च 2024 में करीब 55 लाख रुपये की लागत से पुलिया का निर्माण कराया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि बारिश के दौरान पुलिया टूट गई,जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। निर्माण एजेंसी के रूप में फुलौदी का नाम बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने पुलिया की जल्द मरम्मत कराने के साथ ही तत्काल वैकल्पिक डायवर्सन मार्ग बनाने की मांग की है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने ग्रामीणों को समस्या के शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया है।

### क्षतिग्रस्त पुल का विधायक ने किया निरीक्षण

मैहर विधानसभा अंतर्गत ग्राम जरियारी में क्षतिग्रस्त पुल के कारण ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी को देखते हुए मैहर विधायक



श्रीकांत चतुर्वेदी ने आज मौके पर पहुंचकर पुल का निरीक्षण किया। विधायक श्री चतुर्वेदी ने नर्मदा घाटी के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मौका स्थल का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने क्षतिग्रस्त पुल की स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी

समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों की समस्या को तत्काल संज्ञान में लेते हुए विधायक श्री चतुर्वेदी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था जल्द से जल्द प्रारंभ की जाए,ताकि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ख़बर संक्षेप

नगर के वार्ड नंबर 5 में हुआ शिव पूजन एवं भंडारे का आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों का दौर जारी



**पवई।** नगर के वार्ड नंबर 5 स्थित करही चौराहे पर रामकुमार पटेल के निवास पर भगवान शंकर जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर भंडारा एवं प्रसाद वितरण हुआ, जिसमें परिवारजनों व स्थानीय लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ, जिसमें परिवार और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में रामकुमार पटेल के बड़े पुत्र अंजू पटेल एवं छोटे पुत्र सोनू पटेल सहित परिवार के सदस्यों ने भागवान शिव का आशीर्वाद लिया। नए घर के उद्घाटन के अवसर पर परिवार ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

**खाते से गायब हुई राशि, संचालक पर मामला दर्ज कटनी।** माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत झिंझरी स्थित SBI के क्रियोस्क केंद्र में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। उपभोक्ता के खाते से छल-कपट कर राशि निकालने के आरोप में माधवनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पिंपरीध निवासी रेखा चौधरी 32 वर्ष ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि झिंझरी स्थित SBI क्रियोस्क केंद्र के तपिस जैन द्वारा उनके खाते से अनाधिकृत रूप से धोखाधड़ी कर राशि निकाल ली गई। यह फर्जीवाड़ा 29 जनवरी 2025 से 24 फरवरी 2026 के बीच अंजाम दिया गया। पीड़िता की शिकायत की जांच के बाद माधवनगर पुलिस ने 4 सितंबर को BNS की धारा 318(4), 316(4), 336(3) एवं 340(2) के तहत अपराध क्रमांक 909/26 पंजीबद्ध किया है।पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और बैंक खातों के ट्रॉंजेक्शन रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, ताकि धोखाधड़ी की रकम और कार्य प्रणाली का स्पष्ट खुलासा हो सके।

**अलग अलग हादसों में दो व्यक्ति हुये घायल कटनी।** विजराघवगढ़ एवं बड़वारा थाना क्षेत्र में हुये सड़क हादसों में दो व्यक्ति घायल हो गये। जानकारी के अनुसार विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम जंगलपुरेनी निवासी देवि्या प्रसाद चौधरी 55 वर्ष 2 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे शारदा मंदिर के पास से पैदल जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल क्रमांक MP 21 ZD 7804 के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। पीड़ित की शिकायत पर विजयराघवगढ़ पुलिस ने 4 सितंबर को अपराध कायम किया है। इसी तरह बड़वारा थाना अंतर्गत मऊगंज निवासी बलवंत सागर सोनी 23 वर्ष 22 अगस्त की सुबह ग्राम मझगावां स्थित वेयर हाउस के सामने से गुजर रहे थे।

## तीन दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का समापन दूसरे एवं तीसरे दिवस श्री जुगल किशोर मंदिर में हुई प्रस्तुतियां

पन्ना। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन पन्ना के सहयोग से जन्माष्टमी पर्व पर तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम श्री कृष्ण पर्व अंतर्गत श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में दूसरे एवं तीसरे दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। द्वितीय दिवस 3 सितम्बर को श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों पर केन्द्रित प्रस्तुतियों के तहत सुप्रसिद्ध गायिका ग्वालियर की अंकिता कैलासिया ने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं पर केन्द्रित गीतों की प्रस्तुति दी। श्री कृष्ण जन्म लीला, माखन चोरी लीला, कालिया नाग मर्दन लीला, गोवर्धन लीला, राधा कृष्ण प्रेम लीला, बुज होली लीला प्रस्तुत करके दर्शकों के बीच विशेष छाप छोड़ी। इस क्रम में रंग त्रिवेणी साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति भोपाल द्वारा रचना आनंद मिश्रा के निर्देशन में कृष्ण रंग नाटक की प्रस्तुति दी गई। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया गया। कृष्ण के बाल रूप से लेकर उनके विराट रूप को दर्शाया गया। नाटक की शुरूआत फ्लैश बैक से की गई, जिसमें गांधारी के श्राप से श्रीकृष्ण का निर्वाण हो जाता है। इस दौरान विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर महाभारत युद्ध के साथ नाटक का अंत किया गया। अंतिम दिवस नर्मदापुरम की सुप्रसिद्ध गायिका दामिनी पठारिया ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर केन्द्रित एक से बढ़ के एक गीतों की अपने अंदाज से प्रस्तुति कर दर्शकों को प्रभावित किया। रोवा की जाह्नव्ही सिंह ने कृष्ण लीला पर आधारित नृत्य नाटिका के माध्यम से दर्शकों पर छाप छोड़ी। जन्माष्टमी पर्व पर उपस्थित



भक्तगणों ने जयकारे के साथ नृत्य भी किया। कार्यक्रम में कलाकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीना पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक गिर्विंद नायडू एवं नगरवासी, श्रद्धालु एवं भक्तगण और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सुरेश श्रीवास्तव सीरम द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

# बाढ़ ने बहाई फसल, अब कर्ज के सहारे अगली बोनी

## अतिवृष्टि ने चौपट कर दी मूंग, उड़द-तिल की फसल

लाक कांग्रेस कमेटी अमानगंज ने सर्वे कराए जाने की रखी मांग

अमानगंज।

बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश ने अमानगंज क्षेत्र में ऐसा कहर बरसाया कि खेतों में खड़ी किसानों की उम्मीदें पानी में बह गईं। लगातार बारिश से नदी-नालों का जलस्तर उफान पर पहुंच गया और कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। मिटासन नदी ने जब रौद रूप धारण किया तो क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। अब पानी उतर चुका है, लेकिन पीछे छोड़ गया है बर्बादी, कर्ज और किसानों की आंखों में चिंता। अतिवृष्टि ने अमानगंज क्षेत्र में मूंग, उड़द और तिल की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। खेतों में पानी भरने से फसल डूब गई और कई जगह सड़ने लगी है। महीनों तक खेत में पसीना बहने वाले किसान अब उसी खेत में अपनी बर्बाद फसल देखकर मायूस हैं। खेतों में लगाया पैसा डूब गया और जिस उपज से घर की जरूरतें पूरी करने की उम्मीद थी, वह हाथ आने से पहले ही तबाह हो गई। सबसे बड़ा संकट अब आगे का है। 1 फसल गई तो गई, लेकिन खेती का चक्र रुकने वाला नहीं है। अगली बोनी सिर पर है और किसान के पास न बीज के पैसे हैं, न खाद के और न ही खेत तैयार करने के लिए पर्याप्त पूंजी। ऐसे में अन्नदाता एक बार फिर कर्ज की चौखट पर खड़ा है। किसान सेंट-साहूकारों के चक्कर काट रहा है, ताकि किसी तरह अगली फसल बो सके।



प्राकृतिक आपदा की इस दोहरी मार ने किसानों की आर्थिक कमर तोड़ दी है। एक तरफ खेत बर्बाद है तो दूसरी तरफ कर्ज का बोझ बढ़ने का डर। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते सरकार ने नुकसान का सर्वे कराकर राहत और मुआवजा नहीं दिया तो अगली बोनी करना भी मुश्किल हो जाएगा

ब्लॉक कांग्रेस अमानगंज ने उठाई फसल सर्वे की मांगकिसानों की परेशानी को देखते हुए ब्लॉक कांग्रेस अमानगंज ने भी फसल नुकसान का तत्काल सर्वे कराए जाने की मांग उठाई है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सीरम दुबे ने प्रशासन से मांग की है कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के खेतों का निष्पक्ष एवं शीघ्र सर्वे कराया जाए और वास्तविक नुकसान के आधार पर किसानों को उचित मुआवजा दिलाया



जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से किसान पहले ही आर्थिक संकट में हैं, ऐसे में सरकार को किसानों को राहत पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ तत्काल कदम उठाने चाहिए। अब सवाल यह है कि जिस किसान ने पूरे क्षेत्र के लिए अन्न पैदा करने की तैयारी की थी, उसकी बर्बादी का हिसाब कौन लेगा? किसानों की मांग है कि प्रभावित गांवों में तत्काल फसल क्षति का सर्वे कराया जाए, नुकसान का वास्तविक आकलन हो और मुआवजे की प्रक्रिया में देरी न की जाए। साथ ही अगली बोनी के लिए किसानों को बीज, खाद और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। बारिश थम गई, नदी का पानी उतर गया, लेकिन किसानों के संकट का सैलाब अभी बाकी है। खेत खाली हैं, हाथ खाली हैं और सामने फिर से खेती का खर्च खड़ा है।

ग्रामीण बैंक में आग, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

दैवेंद्रनगर पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा, थाना प्रभारी संतोष यादव और टीम का सराहनीय योगदान फायर ब्रिगेड वाहन के खराब होने की बात सामने आई, बैंक के ऊपर रह रहा था परिवार; आग बढ़ती तो हो सकती थी बड़ी अनहोनी

दैवेंद्रनगर।

सलेहा रोड स्थित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक में शनिवार रात करीब ९२५0 बजे अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। बैंक से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही देवेंद्रनगर थाना प्रभारी संतोष यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने में जुट गई। पुलिस की तत्परता के चलते समय रहते आग पर कब्ज़ पा लिया गया और संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान नगर परिषद देवेंद्रनगर का फायर ब्रिगेड वाहन भी मौके पर पहुंचा, लेकिन वाहन खराब होने के कारण आग बुझाने में प्रभावी मदद नहीं मिल सकी। ऐसे में नगर परिषद की अविनश्वरन व्यवस्था पर गंभीर

## मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक देवेंद्रनगर में भड़की आग, देवेंद्रनगर पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा



सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल यह है कि आग जैसी आपात स्थिति में जब फायर ब्रिगेड की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वाहन दुरुस्त हालत में क्यों नहीं था? मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बैंक के ऊपर एक परिवार निवास करता है। यदि आग समय रहते नियंत्रित नहीं होती और विकराल रूप ले लेती तो बैंक के साथ ऊपर रहने वाले परिवार की जान पर भी संकट आ सकता था। ऐसी स्थिति में किसी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी आखिर किसकी होती? स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद को अविनश्वरन वाहन को हमेशा दुरुस्त और आपात स्थिति के लिए तैयार रखना चाहिए, ताकि किसी बड़ी घटना के समय लोगों की जान-माल की



सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वहीं बैंक के मकान मालिक ने बैंक प्रबंधन पर भी लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि आग लगने से करीब तीन घंटे पहले बैंक का सेफ्टी अलार्म बजा था, लेकिन कथित तौर पर समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पूरे घटनाक्रम में थाना प्रभारी संतोष यादव और उनकी पुलिस टीम की तत्परता एवं सराहनीय योगदान की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की। पुलिस की समय पर कार्रवाई से आग को फैलने से रोक लिया गया और एक संभावित बड़ी अनहोनी टल गई। फिलहाल पुलिस द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

## देवेंद्रनगर में बंदरों का आतंक, आज 5 लोगों को काटा जिम्मेदार अधिकारी एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

नगर डर के साए में, बच्चों-बुजुर्गों और आम लोगों को बना रहे निशाना कृ आखिर जनता जाए तो जाए कहां ?

**दैवेंद्रनगर।** नगर में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि बंदर आए दिन बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। रविवार को ही 5 लोगों को बंदरों ने काट लिया, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं पिछले करीब एक महीने में बंदर काटने के लगभग 100 मामले सामने आने की बात स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताई गई है। बंदरों के बढ़ते आतंक से नगरवासियों में दहशत का माहौल है। लोग अपने बच्चों को अकेले बाहर भेजने से भी डर रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि समस्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय एक-दूसरे के पाले में गेंद डालते नजर आ रहे हैं। जब पूरे मामले को लेकर वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र नगर राहुल सिकरवार से बात की गई तो उन्होंने मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से बात करने की बात कही। वहीं नगर परिषददेवेंद्र नगर सीएमओ के. तिवारी ने कहा कि उनके पास बंदरों को लेकर ऐसा कोई आदेश नहीं है और बंदरों से संबंधित जिम्मेदारी फॉरेस्ट विभाग की है। जब मामले को लेकर देवेंद्र नगर तहसीलदार सुमित तिवारी से फोन पर जानकारी ली गई तो उन्होंने भी



साफ कहा कि यह मामला उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता।अब सवाल यह है कि आखिर बंदरों के आतंक से परेशान जनता किसके भरोसे रहे? जब वन विभाग, नगर परिषद और प्रशासनकृतीनों अपनी-अपनी जिम्मेदारी से किनारा करते नजर आ रहे हैं, तो बंदरों को पकड़ने और लोगों को सुरक्षित करने में जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

स्वास्थ्य विभाग ने भी दी चेतावनी

मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को



बंदर काटने के 5 मरीज अस्पताल पहुंचे, जिनका उपचार किया गया है। उन्होंने बताया कि बंदर काटने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और पिछले करीब एक महीने में लगभग 100 केस अस्पताल में आ चुके हैं। इसकी सूचना नगरीय प्रशासन और फॉरेस्ट विभाग को भी दी जा चुकी है। लगातार बढ़ते मामलों के बावजूद यदि जल्द ही बंदरों को पकड़ने और नगरवासियों को राहत दिलाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। अब बड़ा सवाल, जिम्मेदारी से बचने वाले अधिकारियों के बीच जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन उठाएगा।

## थाना प्रभारी मड़ला बख्त सिंह के मुख्य आतिथ्य में केक काट कर बच्चों के बीच मनाया शिक्षक दिवस छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का किया गया वितरण

पन्ना।

शिक्षक दिवस का दिन निष्चितौर पर सम्मान हमारे शिक्षकों, गुरुजनों को लेकर जो जाना जाता है। वहीं विद्यादान जो सबसे बड़ा दान माना जाता है। इसको लेकर वर्तमान समय में मड़ला थाना प्रभारी बख्त सिंह ठाकुर जिनकी सोच छात्र-छात्राओं के भविष्य को शिक्षा के माध्यम से संवारने को लेकर पूर्व से जानी जाती है। आप जहां भी रहे सबसे पहले बुजपुर थाने से विद्यादान कोचिंग निःशुल्क प्रदान करने के लिए जो आरंभ की गई थी इसके बाद अजयगढ़ में आपके कार्यकाल में निःशुल्क विद्यादान कोचिंग सेंटर जो अजयगढ़ में संचालित है। जिसका विगत दिवस शिक्षक दिवस के दिन



केक काटकर उत्साह तो मनाया ही गया बच्चों के साथ वहीं छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का वितरण भी निःशुल्क किया गया। यहां भविष्य को संवारने के लिए जो सोच आरंभ हुई थी वह आज भी जमीनी स्तर पर जारी है। यहां यह अनुकूर्णीय भी है कि हमारे देश के निर्माण में जिस तरह से राष्ट्र निर्माता के रूप में शिक्षकों का

## शिक्षक दिवस पर गुरुओं का किया गया सम्मान



**पन्ना।** शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर आशीष बागरी जिला सदिय कांग्रेस कमेटी पन्ना द्वारा अपने निज निवास पर गुरु परम्परा अभियान के तहत वरिष्ठ मार्गदर्शक शिक्षाविद गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौमन्य प्राप्त किया। गुरु परम्परा अभियान के तारतम्य में सर्वप्रथम वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्राचार्य पुंर्यनीय डॉ. श्री राजकिशोर पाण्डेय जी से शुभाशीष व मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्राचार्य पुंर्यनीय श्री रामलखन शर्मा जी से शुभाशीष प्राप्त किया। तत्पश्चात सेवानिवृत्त शिक्षक श्री हरिनारायण त्रिपाठी जीका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए वरिष्ठ शिक्षक आदरणीय इन्द्रकुमार जैन जी का आशीर्वाद प्राप्त कियास शिष्य गुरु परंपरा को आगे बढ़ते हुए कंशीलाल गुप्ता जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। सभी गुरुजनों ने आशीष बागरी को आशीर्वाद देते हुए उच्चतल भविष्य की कामना की एवं जीवन की उन्नत करते हुए समाज सेवा के कार्य को उत्कृष्टता के साथ करने हेतु प्रेरित किया। शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं गुरु केवल हमें किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा देते, अच्छे-बुरे का अंतर समझने और कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। एक शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। शिक्षक वह दीपक हैं, जो स्वयं जलकर अनेकों विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान और सफलता का प्रकाश फैलाते हैं। उनके द्वारा दिए गए संस्कार और सैद्धांतिक ज्ञान हमारा मार्गदर्शन करते हैं। शिक्षक दिवस के इस विशेष अवसर पर समाज के सभी सम्माननीय शिक्षक-शिक्षिकाओं को सादर नमन एवं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। ईश्वर से कामना है कि आप सभी सर्वत्र स्वस्थ, प्रसन्न एवं ऊर्जावान रहें और इसी तरह आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान, संस्कार एवं सही दिशा प्रदान करते रहें।

मलका गौशाला में गायों के बुरे हाल, एक माह में आधा सैकड़ा गायों की मौत का दावा



महाराजपुर। छतरपुर जिले की महाराजपुर तहसील अंतर्गत ग्राम मलका और उदर्मऊ में संचालित गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात के दिनों में गौशालाओं में गायों की उचित देखरेख और रखरखाव नहीं होने से बड़ी संख्या में मवेशी बीमार हो रहे हैं और उनकी मौत हो रही है।ग्रामीणों के अनुसार, मलका गौशाला में पिछले एक माह के दौरान करीब आधा सैकड़ा गायों की मौत हो चुकी है। गौशाला में पशुओं की देखरेख करने वाले कर्मचारियों ने भी व्यवस्थाओं की कमी की बात स्वीकार की है। उनका कहना है कि ठेकेदार की ओर से गायों के लिए पर्याप्त भूख-चारा और खाने-पीने की व्यवस्था नहीं की जा रही है। बीमार पशुओं के इलाज के लिए न तो नियमित रूप से पशु चिकित्सक उपलब्ध हैं और न ही पर्याप्त दवाएं मिल पा रही हैं।

मृत गायाों के अंतिम संस्कार की भी व्यवस्था नहीं

गौशाला की बदहाल व्यवस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृत गायाों को वहां से हटाते और उनके अंतिम संस्कार तक की समुचित व्यवस्था नहीं होने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि मजबूरी में मृत मवेशियों को गौशाला के आसपास ही फेंकना पड़ रहा है, जिससे दुर्गंध और संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला की अव्यवस्थाओं को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने गौशाला में पशुओं की स्थिति की जांच कराकर जिम्मेदार संचालक और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्राम पंचायत के संपर्क प्रतिनिधि ने भी शासन-प्रशासन से मलका और उदर्मऊ की गौशालाओं की जांच कराने, पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गौशालाओं में मृत पशुओं की लगातार हो रही दुर्दृशो को देखते हुए प्रशासन को तत्काल मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना चाहिए, ताकि पशुओं की जान बचाई जा सके।

**छतरपुर जिले में भारी बारिश की संभावना, गरज-चमक और तेज हवाओं का भी अलर्ट**  
छतरपुर। राहत आशुवत, मध्यप्रदेश द्वारा जारी मौसम चेतावनी के अनुसार छतरपुर जिले में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। जिले में ०7 सितंबर 2026 की सुबह 8:30 बजे तक कुछ स्थानों पर 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक बारिश के दौरान गरज-चमक के साथ 30 से 40 फिलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की गई है। मौसम को देखते हुए प्रशासन ने जिले के नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि तेज बारिश, आंधी और गरज-चमक के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थान पर रहें। विशेष रूप से आकाशीय बिजली के दौरान खुले मैदान, उड़, बिजली के खंभे और अन्य असुरक्षित स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन को सूचना देने की अपील की है।

# छतरपुर , नौगांव, महाराजपुर, खजुराहो, लवकुशनगर, गोरिहार, बक्सवाहा

# छतरपुर जिला अस्पताल में प्रसूता और नवजात की मौत, इलाज में चूक पर उठे गंभीर सवाल

छतरपुर। जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद एक प्रसूता और उसके नवजात बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। घटना ने एक बार फिर जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और प्रसूता को समय पर उपचार एवं रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम सिंगरोन निवासी संथा आदिवासी शनिवार को प्रसव के लिए बमीठा अस्पताल पहुंची थीं। वहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल के लेबर रूम में महिला की डिलीवरी हुई, लेकिन प्रसव के बाद प्रसूता और उसके नवजात बच्चे दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सामान्य डिलीवरी से पहले ही नवजात की मौत हो चुकी थी। वहीं सीएमएचओ के अनुसार महिला की डिलीवरी सामान्य रूप से हुई थी और प्रसव के बाद करीब दो घंटे तक उसकी हालत ठीक रही। इसके बाद अचानक महिला को घबराहट होने



लगी और उसकी तबीयत बिगड़ गई। सीएमएचओ के मुताबिक महिला में ब्लड की कमी हो गई थी और समय पर रक्त की व्यवस्था नहीं हो सकी। इसी दौरान उसकी हालत गंभीर हुई और उसकी मौत हो गई।

**समय पर ब्लड क्यों नहीं मिल सका?**

इस घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल जिला अस्पताल की ब्लड व्यवस्था को लेकर खड़ा हो रहा है। यदि प्रसव के बाद

करीब दो घंटे तक महिला की हालत सामान्य थी, तो अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में तत्काल रक्त की व्यवस्था क्यों नहीं हो सकी? क्या महिला की स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभावित खतरे को पहचान लिया गया था? और यदि समय रहते पर्याप्त रक्त एवं बेहतर उपचार उपलब्ध हो जाता, तो क्या महिला की जान बचाई जा सकती थी—यह जांच का विषय है।

**बिना पोस्टमार्टम शव सौंपे जाने पर भी सवाल**

मामले में एक और महत्वपूर्ण बात सामने आई है। प्रसूता और नवजात के शव को पोस्टमार्टम के बिना ही परिजनों को

सौंप दिया गया। सीएमएचओ का कहना है कि परिजनों ने लिखित रूप से तथा वीडियोग्राफी के दौरान पोस्टमार्टम नहीं कराने की सहमति दी थी, जिसके बाद शव उन्हें सौंप दिए गए। हालांकि, मां और नवजात की अस्पताल में मौत तथा महिला की अचानक बिगड़ी तबीयत के बीच मौत के कारणों को लेकर सवाल बने हुए हैं। ऐसे में यह भी सवाल उठ रहा है कि पोस्टमार्टम नहीं होने की स्थिति में मौत की वास्तविक वजह की चिकित्सकीय पुष्टि किस तरह होगी। अब स्वास्थ्य विभाग के सामने कई सवाल हैं। महिला को बमीठा अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद उसकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री क्या थी? जिला अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी निगरानी और उपचार किस तरह किया गया? प्रसव के बाद अचानक हालत बिगड़ने पर कौन-कौन से उपचार किए गए? अस्पताल में उस समय रक्त की उपलब्धता कितनी थी और रक्त की व्यवस्था में देरी क्यों हुई।

# सामान्य वर्ग की समस्याओं को लेकर संगोष्ठी

**छतरपुर।** सवर्ण अधिकारी, कर्मचारी एवं सामान्य वर्ग उत्थान संगठन मध्यप्रदेश के तत्वावधान में छतरपुर के एक निजी होटल में सामान्य वर्ग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सामान्य वर्ग की वर्तमान स्थिति, उनकी समस्याओं और संगठन की मांगों को लेकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष इंजी. अजय तिवारी ने कहा कि संगठन सामान्य वर्ग की समस्याओं और उनकी पीड़ा को प्रमुखता से उठाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ग में भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, इसलिए आरक्षण व्यवस्था में



सुधार की आवश्यकता है। अजय तिवारी ने कहा कि आरक्षण जाति के आधार पर नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति के आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

संगोष्ठी में एससी-एसटी एक्ट की लेकर भी संगठन की ओर से मांग रखी गई। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि इस कानून के तहत कार्रवाई से पहले एसडीओपी स्तर के अधिकारी से जांच कराई जानी चाहिए और जांच में दोषी पाए जाने के बाद ही संबंधित व्यक्ति को जेल भेजने की कार्रवाई

होनी चाहिए। उन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे भविष्य में वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। संगठन ने संबंधित कानून को जल्द से जल्द वापस लेने की मांग की।

संगोष्ठी का आयोजन संगठन की महिला मोर्चा पदाधिकारी श्रीमती नीलम तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सामान्य वर्ग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन की मांगों को व्यापक स्तर पर उठाने का संकल्प लिया गया।

# राम भरोसे जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था! कलेक्टर के निरीक्षण और सख्त निर्देश भी बेअसर

छतरपुर। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं इन दिनों मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। कलेक्टर मृणाल मीणा समय-समय पर अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद जमीनी स्थिति में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आ रहा है। अस्पताल की चौथी मंजिल पर हालात इतने खराब हैं कि एक ही पलंग पर तीन-तीन मरीजों को लेटने की नौबत आ रही है। वहीं, बेड उपलब्ध नहीं होने के कारण कई मरीज जमीन पर इलाज कराने को मजबूर हैं। जिला अस्पताल की नई पांच मंजिला बिल्डिंग बनकर तैयार हो चुकी है, लेकिन समय पर इसका संचालन शुरू नहीं होने के कारण मौजूदा अस्पताल पर मरीजों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सीमित नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टूडेंट के भरोसे व्यवस्थाएं संचालित होने की बात सामने आ रही है। इमरजेंसी वार्ड में भी सीमित डॉक्टरों के भरोसे मरीजों को उपचार दिया जा रहा है।

छतरपुर जिला अस्पताल में जिले के अलावा उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। मरीजों को बेहतर इलाज की उम्मीद रहती है, लेकिन अस्पताल की अव्यवस्थाओं की तस्वीरें आए दिन सामने आ रही हैं। इससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**दो माह से शौचालयों पर ताला**

अस्पताल की चौथी और पांचवीं मंजिल पर मरीजों के लिए बनाए गए शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब है। जानकारी के मुताबिक पुरुष और महिला शौचालयों पर करीब दो माह से ताला लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि पानी लीकज की समस्या के चलते शौचालयों को बंद किया गया है, लेकिन लंबे समय बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

शौचालय बंद होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को चौथी-पांचवीं मंजिल से नीचे उतरकर जाना पड़ रहा है। वहीं, जो शौचालय चालू हैं, वहां सफाई व्यवस्था की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। गंदगी और दुर्गंध के कारण मरीजों के साथ आए परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



**मेडिकल कॉलेज का सपना, जिला अस्पताल खुद अव्यवस्थाओं में**

छतरपुर में मेडिकल कॉलेज को लेकर लोगों की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं और जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज से संबंध होने की चर्चा भी लगातार होती रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज शुरू होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लेकिन वर्तमान स्थिति में जिला अस्पताल खुद ही स्टाफ की कमी, बेड की कमी, सफाई व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं की समस्या से जूझ रहा है। ऐसेमें मेडिकल कॉलेज की तैयारियों और मौजूदा अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

**निर्देशों के बाद भी हालात जस के तस**  
कलेक्टर के निरीक्षण और सख्त निर्देशों के बावजूद यदि अस्पताल में मरीजों को एक ही पलंग पर तीन-तीन की संख्या में लेटना पड़े, कई मरीज जमीन पर इलाज कराने को मजबूर हों और शौचालयों पर महीनों तक ताला लगा रहे, तो यह व्यवस्था की गंभीर स्थिति की दस्तता है। अब सवाल यह है कि जब जिला अस्पताल में लगातार मरीजों का दबाव बढ़ रहा है और नई बिल्डिंग भी तैयार है, तो उसका संचालन कब शुरू होगा? साथ ही मरीजों को पर्याप्त बेड, साफ-सफाई, शौचालय और पर्याप्त चिकित्सकीय एवं नर्सिंग स्टाफ की सुविधाएं कब मिलेंगी? जिम्मेदार अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद यदि स्थिति नहीं बदलती, तो आखिर अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों की जिम्मेदारी कौन उठाएगा?

# प्रेमी से बात करने से रोका तो महिला ने ख़ाया जहरीला पदार्थ, मौत

**पति का आरोप- युवक से फोन पर बात करने को लेकर हुआ था विवाद; पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच**

छतरपुर। जिले के लवकुश नगर थाना क्षेत्र की पठा चौकी अंतर्गत मिदका गांव में 32 वर्षीय विवाहित महिला की सद्विध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन महिला को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लवकुश नगर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पठा चौकी प्रभारी बीरेंद्र सिंह फरिश्ते पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया।

**पति ने लगाया प्रेम-प्रसंग का आरोप**

मृतका के पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी का गांव के ही एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पति के मुताबिक, महिला अक्सर उक्त युवक से फोन पर बातचीत करती थी। दो दिन पहले भी उसने पत्नी को युवक से फोन पर बात करते हुए पकड़ लिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पति का कहना है कि उसने पत्नी को युवक से दोबारा बात नहीं करने की हिदायत देते हुए उसका मोबाइल अपने पास रख लिया था। इसके बाद महिला नाराज हो गई। आरोप है कि इसी विवाद और घरेलू तनाव के बीच महिला ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया।

**तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए**

जहरीला पदार्थ खाने के कुछ समय बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी और

**मुस्लिम समाज के 82 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, शिक्षा के साथ संस्कार देने पर दिया जोर**

छतरपुर। तंजीम अताये मुस्त्फा अल्पसंख्यक कल्याण समिति के तत्वावधान में रविवार को शहर के नया मोहल्ला स्थित खानकाह में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मुस्लिम समाज के 82 मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हाजी शहजाद अली ने कहा कि प्रतिभावान बच्चों का सम्मान करने से उनका होसला बढ़ता है और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है, ताकि वे अपना लक्ष्य निधारित कर उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने और उनके प्रयासों को सफल बनाने के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। समारोह में सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं और उनके परिजनों में भी उत्साह देखने को मिला।

# भरण-पोषण की 94 हजार राशि नहीं देने पर पति गिरफ्तार



**ईशानगर पुलिस ने न्यायालय के वसूली वार्ंट पर की कार्रवाई**

छतरपुर। फरार आरोपियों और लंबे समय से लंबित आपराधिक मामलों के निराकरण के लिए छतरपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जिला स्तरीय न्याय पथ अभियान के तहत ईशानगर पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी वसूली वार्ंट के मामले में एक वारंटों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, थाना ईशानगर क्षेत्र में वर्ष 2024 में दर्ज एक प्रकरण में न्यायालय द्वारा आवेदिका के भरण-पोषण के लिए 94,000 की राशि अदा किए जाने के निर्देश दिए गए थे। राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर न्यायालय ने अनावेदक (पति) की गिरफ्तारी के लिए वसूली वार्ंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए करन अहिरवार पिता जालम अहिरवार, निवासी ग्राम बंधी कला, थाना ईशानगर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधिवत न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी ईशानगर उप निरीक्षक रिपुदमन सिंह, सैनिक राजेश रिछारिया एवं पुलिस टीम द्वारा की गई।

# मजदूरी के पैसे मांगने पर पहले शिकायत, रकम मिली तो अगले दिन बस स्टैंड पर युवक से मारपीट

**छतरपुर।** सिविल लाइन थाना क्षेत्र में मजदूरी के भुगतान को लेकर शिकायत करने वाले एक युवक के साथ बस स्टैंड पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक को पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, गुलगंज थाना क्षेत्र के देवपुर निवासी कमलेश अहिरवार (28), पिता कमतुआ अहिरवार अपनी पत्नी के साथ सागर रोड स्थित एक कॉलोनी में करीब दो महीने से मजदूरी का काम कर रहा था। कमलेश के अनुसार उसकी मजदूरी बकाया थी। पैसे मांगने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर उसने सिविल लाइन थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की थी। शिकायत के बाद सिविल लाइन थाना प्रभारी द्वारा दो दिन पहले थाने में ही कमलेश को मजदूरी की रकम दिलाई गई थी। इसके अगले दिन कमलेश दिल्ली जाने के लिए बस स्टैंड पहुंचा था। इसी दौरान वह बाथरूम करने के लिए गया, जहां आरोप है कि बाल कृष्ण कुशवाहा और राहुल कुशवाहा ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल कमलेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मारपीट के आरोपों की पड़ताल की जा रही है।



स्थित एक कॉलोनी में करीब दो महीने से मजदूरी का काम कर रहा था। कमलेश के अनुसार ठेकेदार पर उसकी 6,600 रुपये की मजदूरी बकाया थी। पैसे मांगने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर उसने सिविल लाइन थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की थी। शिकायत के बाद सिविल लाइन थाना प्रभारी द्वारा दो दिन पहले थाने में ही कमलेश को मजदूरी की रकम दिलाई गई थी। इसके अगले दिन कमलेश दिल्ली जाने के लिए बस स्टैंड पहुंचा था। इसी दौरान वह बाथरूम करने के लिए गया, जहां आरोप है कि बाल कृष्ण कुशवाहा और राहुल कुशवाहा ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल कमलेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मारपीट के आरोपों की पड़ताल की जा रही है।

# लोकगीत सम्राट देशराज पटेरिया की छठवीं पुण्यतिथि पर गूजे बुंदेली लोकगीत, कलाकारों ने उठाई पद्मश्री देने की मांग

'बुंदेली संंध्या में 50 से अधिक जिलों से जुटे लोक कलाकार, नम आंखों से दी श्रद्धांजलि; बोले— देशराज पटेरिया को पद्मश्री मिलना पूरे बुंदेलखंड का सम्मान

छतरपुर। बुंदेली लोकगीतों को देशभर में नई पहचान दिलाने वाले लोकगीत सम्राट स्वर्गीय पंडित देशराज पटेरिया की छठवीं पुण्यतिथि पर 5 सितंबर को छतरपुर में 'बुंदेली संंध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बुंदेलखंड सहित मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोक कलाकारों ने उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां देकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कलाकारों और अतिथियों ने स्वर्गीय देशराज पटेरिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।वर्गीय पंडित देशराज पटेरिया के सुपुत्र विनय पटेरिया, परिवार एवं आयोजन समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोक कलाकार शामिल हुए। दमोह, बक्सवाहा,

जबलपुर, पाटन, नरसिंहपुर, रायसेन, विदिशा, भोपाल, जालौन, छतरपुर, ललितपुर, सागर, चंदौरी, बांदा, पलैया, नौगांव, मऊरानीपुर, झांसी और कानपुर सहित 50 से अधिक जिलों से कलाकार बुंदेली संंध्या में पहुंचे।

**लोकगीतों की प्रस्तुतियों से बांधा सम्रां**

कार्यक्रम में चंद्रभूषण पाठक, मिनी अनूप जलोटा, पवन तिवारी, जय सिंह राजा, जयप्रकाश पटेरिया, राजेश तिवारी, मुन्नालाल सैनी, दशरथ हंसमुख, सविता यादव, सुखदेव, हनुमत हिंदुस्तानी, लक्ष्मी ठाकुर, रेवाराम और पूनम अहिरवार सहित अनेक कलाकारों ने बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने देशराज पटेरिया के लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज में प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। मंच से कलाकारों और अतिथियों का सम्मान भी किया गया।



**कलाकारों ने उठाई मरणोपरांत पद्मश्री देने की मांग**

बुंदेली संंध्या के दौरान कलाकारों और अतिथियों ने एक स्वर में स्वर्गीय पंडित देशराज पटेरिया को मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान देने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि देशराज पटेरिया को पद्मश्री मिलना केवल एक कलाकार का सम्मान नहीं

होगा, बल्कि यह बुंदेली भाषा, लोककला, संस्कृति और पूरे बुंदेलखंड के सम्मान की बात होगी।

वक्ताओं ने कहा कि देशराज पटेरिया ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित पूरे बुंदेलखंड में बुंदेली भाषा को लोकगीतों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। उस दौर में जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था, उनके गीत आकाशवाणी, रेडियो, टीवी और मंचीय कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक पहुंचते थे। आज भी उनके गीत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोकप्रिय हैं। 'लहरो कुआं साठिया बालन', 'चो किसान की गली', 'हरदोई के गीतों के साथ-साथ हास्य, श्रृंगार और पारंपरिक बुंदेली गीतों में उनका योगदान आज भी लोक संस्कृति में जीवंत है।

**युवा कलाकारों को मिले बड़े मंच**

कार्यक्रम में अतिथियों ने कहा कि 'बुंदेली संंध्या जैसे आयोजनों को संस्कृति विभाग से जोड़कर इसे

व्यापक स्वरूप दिया जाना चाहिए। इससे बुंदेलखंड के वरिष्ठ कलाकारों के साथ नई पीढ़ी के लोक कलाकारों और प्रतिभाओं को भी अपनी कला प्रस्तुत करने का बड़ा मंच मिल सकेगा।

वक्ताओं ने कहा कि बुंदेली भाषा सरल, सहज और प्रभावशाली होने के साथ अपनी विशिष्ट लोक संस्कृति को समेटे हुए है। फिल्मों और अन्य मंचों पर भी बुंदेली भाषा एवं लोकधुनों का प्रयोग बढ़ रहा है। बुंदेलखंड के अनेक कलाकार अपनी प्रतिभा के दम पर देश-विदेश के बड़े मंचों तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में लोककला और कलाकारों को संस्थागत संरक्षण एवं प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है।

**कई प्रमुख अतिथि रहे मौजूद**

कार्यक्रम में पूर्व आईजी मिथिलेश शुक्ला,

बाबा डॉक्टर रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह 'गुड्डू राजा', छतरपुर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया, नौगांव नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, नौगांव जनपद अध्यक्ष राकेश पाठक, भाजपा जिला मंत्री अवधेश यादव सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

'बुंदेली संंध्या ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय पहचान को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में मौजूद कलाकारों और अतिथियों ने सरकार से मांग की कि लोकगीत सम्राट स्वर्गीय पंडित देशराज पटेरिया के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देते हुए उन्हें मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया जाए।

# रीवा में स्वास्थ्य व्यवस्था पर कांग्रेस का हल्लाबोल, डिप्टी सीएम के इस्तीफे की मांग

## जच्चा-बच्चा की मौत में लगातार बढ़ रहा आक्रोश, जीवित मरीज को मृत घोषित करने के मामले ने बढ़ाया गुस्सा

### मेडिकल कॉलेज डीन भी हटे, धरने में बैठे परिजन एफआईआर की मांग पर अड़े

रीवा। गांधी मेमोरियल अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उसके नवजात बच्चे की मौत के मामले को लेकर रीवा में राजनीतिक और जनआक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में कथित लापरवाही के आरोपों को लेकर रविवार को कांग्रेस ने प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शहर में अलग-अलग स्थानों पर कांग्रेस और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे, जिम्मेदार चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग जोर-शोर से उठाई गई।युवा कांग्रेस के

कार्यकर्ता उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अमहिया स्थित निजी आवास तक पहुंचे और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता आवास के मुख्य द्वार पर चढ़कर विरोध जताने लगे। स्थिति को देखते हुए मौके पर तैनात पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई भी गई है, वहीं दूसरी ओर कमिश्नर कार्यालय के सामने भी कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। प्रदेशभर से पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। धरने में आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। धरना प्रदर्शन में सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई।

कार्यकर्ताओं ने राजेंद्र शुक्ल गद्दी छोड़ो के नारे लगाए और स्वास्थ्य मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था लगातार गंभीर सवालों के घेरे में है और अलग-अलग जिलों में सामने आ रही घटनाएं सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करती हैं।धरने को संबोधित करते हुए आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बालाघाट में बच्चों की मौत, छिंदवाड़ा में कथित जहरीली कफ सिरप से जुड़े मामले, इंदौर में अस्पताल से जुड़े कथित चूहा कांड, सतना में एचआईवी संक्रमित रक्त से जुड़े मामले और रीवा में कल्पना मिश्रा की मौत सहित अन्य घटनाओं का हवाला देते हुए स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।



#### डीन डॉ. सुनील अग्रवाल हटे, डॉ. शशिधर गर्ग होंगे नए डीन

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को हटाकर सतना मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्हें सतना मेडिकल कॉलेज का अधिष्ठाता बनाया गया है। वहीं सतना मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. शशिधर गर्ग को स्थानांतरित कर रीवा श्याम शाह मेडिकल कॉलेज का नया अधिष्ठाता नियुक्त किया गया है। यह आदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की अवर सचिव सीमा देहरिया की ओर से जारी किया गया है।



#### युवा कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगा इस्तीफा

उप मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर मामले सामने आ रहे हैं। उनका आरोप था कि छोटे स्तर पर कार्रवाई कर जिम्मेदारी तय करने की कोशिश की जा रही है, जबकि बड़े अधिकारियों और राजनीतिक जिम्मेदारी तय करने से सरकार बच रही है।उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी ने बताया कि युवा कांग्रेस के कुछ सदस्य उप मुख्यमंत्री के निवास पर अपनी मांगां को लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उग्र होने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उनके खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की गई है।

#### अब तक छः लोगों पर हुई कार्रवाई

कल्पना मिश्रा और उसके नवजात बच्चे की मौत के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की है। सबसे पहले दो नर्सिंग ऑफिसर साधना वर्मा और सीमा मुजालदे को निर्लंबित किया गया।विरोध बढ़ने के बाद निश्चेतना विभाग की डॉ. निधि पाण्डेय तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की ड्यूटी चिकित्सक डॉ. सोनल अग्रवाल को भी निर्लंबित किया गया। अस्पताल अधीक्षक राहुल मिश्रा को उनके विवादित बयान के बाद पद से हटा दिया गया। इसके बाद रविवार को डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को भी पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया गया।इस तरह मामले से जुड़े विवाद के बीच अब तक पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है, जबकि सिरमौर चौराहे में बैठे मृतका के परिजन अभी भी प्राथमिकी की मांग पर कायम हैं।

## दूसरे दिन मिला युवक का शव, रपटा पार करते समय बहे थे मामा-भांजे, ग्रामीणों ने मामा को बचाया

रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र के ग्राम खैरा में नाले का रपटा पार करते समय पानी के तेज बहाव में बहे मामा-भांजे के मामले ने करीब 24 घंटे बाद लापता भांजे का शव बरामद कर लिया गया। हादसे के बाद से लगातार चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान में एसडीईआरएफ की टीम ने युवक का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर बरामद किया। शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासन की टीम ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। हादसा उस समय हुआ, जब रीवा के घोघर निवासी अमन बालीक अपने मामा के साथ मुकुंदपुर की ओर जा रहा था। दोनों ग्राम खैरा के समीप नाले पर बने रपटे को पार कर रहे थे। इसी दौरान पानी

का बहाव अचानक तेज होने के कारण दोनों अपना संतुलन खो बैठे और पानी के तेज बहाव में बह गए।ग्रामीणों ने मामा को सुरक्षित बाहर निकाला। मामा-भांजे के बहने की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचाव प्रयास शुरू किए और काफी मशकत के बाद अमन के मामा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि अमन तेज बहाव के साथ आगे बह गया और उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना की सूचना मिलते ही चोरहटा थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद एसडीईआरएफ की टीम को बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया गया।रेस्क्यू टीम ने नाले के

आसपास के हिस्से में लगातार सर्चिंग की। लगातार सर्चिंग के बाद घटना के करीब 24 घंटे बाद रेस्क्यू टीम को सफलता मिली। अमन का शव घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर बरामद किया गया। शव मिलते ही पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में मातम पसर गया। हादसे की सूचना के बाद से ही परिवार के लोग अमन के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन दूसरे दिन उसका शव मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस ने मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

#### भांजे की तलाश में जुटी थी एसडीईआरएफ की टीम

#### रीवा की बेटी आयुषी का सेना में लेफ्टिनेंट हुआ चयन, डिप्टी सीएम ने किया सम्मानित

रीवा। सिंधु भवन रीवा में सामाजिक संगठनों द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रीवा और पूरे विध्य अंचल का नाम रोशन करने वाली आयुषी वर्मा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, ग्रामग्राम्य नागरिकों तथा आयुषी को माता-पिता एवं परिजनों की उपस्थिति में आयुषी वर्मा को सम्मानित कर शुभकामनाएं प्रेषित किया। समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुषी वर्मा को यह सफलता केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे रीवा और विध्य अंचल के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि विध्य की माटी से अनेक सपनों ने सेना के सर्वोच्च शिखरों तक पहुंचकर देश की सेवा की है। शल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी जैसे महान सैन्य नायकों का उद्घरण देते हुए उन्होंने कहा कि आयुषी ने भी उसी महान परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मवाद के खिलाफ सज्जित सट्टाक्ष और एयर स्ट्राइक जैसे कठोर निर्णयों से भारतीय सेना को फ्री हेड मिला है, जिससे हमारे सैनिकों का हौसला अमूर्ततः रूप से बढ़ा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद असम में पद्धस्थापित होने जा रही लेफ्टिनेंट आयुषी वर्मा के लिए उन्होंने भव्यमान महामृत्युंजय से प्रार्थना की कि आयुषी सैन्य सेना में सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएं और रीवा का नाम सदैव रोशन करें। गौरतलब है कि आयुषी वर्मा ने सेना लोक सेवा आयोग की प्रविष्टि सैंडीक्स परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 24 हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने टेक्निकल शाखा में देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त कर रीवा और पूरे मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। आयुषी ने अपनी स्कूली शिक्षा रीवा के एक किजी कॉन्वेंट स्कूल से प्राप्त की, जहां उनके पिता शिक्षक हैं। 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने तय कर लिया था कि उन्हें सेना में जाकर देश की सेवा करनी है।

#### सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में यूरोलॉजी विभाग गिरी सीलिंग थर्ड फ्लोर पर हुआ हादसा



#### गनीमत रही घटना के वक्त आसपास नहीं था कोई मरीज या कर्मचारी

रीवा। संभाग के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल के थर्ड फ्लोर स्थित यूरोलॉजी विभाग में रविवार को अचानक सीलिंग का एक हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। सीलिंग गिरते ही विभाग में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस स्थान पर कोई मरीज या कर्मचारी मौजूद नहीं था। यदि सीलिंग किसी मरीज या स्वास्थ्यकर्मी के ऊपर गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों के बीच भी दहशत का माहौल देखा गया। करोड़ी रुपए की लागत से तैयार किए गए इस अस्पताल भवन में सीलिंग गिरने की घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सामग्री के इस्तेमाल और भवन के रखरखाव को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

#### पहले भी सामने आ चुकी हैं सीलिंग गिरने की घटनाएं

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सीलिंग गिरने की यह घटना पहली नहीं बताई जा रही है। इससे पहले भी अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में सीलिंग और निर्माण से जुड़ी समस्याएं सामने आती रही हैं। कभी न्यूरो सर्जरी से जुड़े वार्ड में सीलिंग गिरने की स्थिति बनी तो कभी गैलरी सहित अन्य हिस्सों में भवन की संरचना और रखरखाव को लेकर सवाल उठे। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बावजूद अस्पताल भवन की सीलिंग और अन्य हिस्सों की तकनीकी जांच कितनी गंभीरता से कराई जा रही है,

## मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तिरुपति-श्रीकालहस्ती यात्रा के लिए ट्रेन 12 अक्टूबर को रवाना होगी आवेदन 23 सितंबर तक आमंत्रित

मऊगंज। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत यात्रा में जाने वाले यात्रियों के लिए कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि ऐसे वरिष्ठ नागरिक जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, (महिलाओं के लिए दो की छूट) तथा जो आयकर दाता नहीं है, को प्रदेश के भीतर एवं बाहर स्थित विभिन्न अधिभूतिगत तीर्थ स्थलों की यात्रा कराए जाने का प्रावधान है । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के प्रावधान के तहत 65 वर्ष से अधिक

आयु के ऐसे व्यक्ति जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियों के समूह (जहां सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हों ) को एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी। (जबकि पति पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नहीं होगी। सहायक का संबंधी होना अनिवार्य नहीं है । कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा के अनुसार तिरुपति -

श्रीकालहस्ती की तीर्थ यात्रा पर जाने



के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन दो प्रतियों में देने होंगे।

आवेदन संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी या संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जमापद पंचायत कार्यालय में जमा किये जा सकेंगे।

आवेदन पत्र के साथ मूल निवासी के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र एवं शायन लायसेंस में से कोई एक अथवा ऐसा प्रमाण सलोन करना होगा जो शासन द्वारा स्वीकार्य हो। इसके साथ ही आधार कार्ड की

छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज के फोटो भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्रा पोर्टल <https://dpms.mp.nic.in> के माध्यम से ही दर्ज किए जाएं तथा किसी अन्य माध्यम जैसे व्हाट्सएप आदि से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि 23 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक समस्त आवेदनों की प्रविष्टि पोर्टल पर पूर्ण कर ली जाए।

निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटीकृत लॉटर के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों की समस्त जानकारी जैसे नाम , आधार क्रमांक, मोबाइल नंबर, पूर्ण पता आदि का सत्यापन करते हुए पोर्टल पर प्रविष्टि की जाए। ऐसे आवेदक जिनहोंने पूर्व में योजना का लाभ प्राप्त कर लिया है उनके आवेदन स्वीकार नहीं किए जाए ।

## गुरु-शिष्य के रिश्ते का अनूठा सम्मान एलुमनी मीट में शिक्षकों के साथ पत्रकार भी हुए सम्मानित, सक्रिय शिक्षक कमी मरता नहीं

मऊगंज। शासकीय (उत्कृष्ट) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊगंज के एलुमनी मीट एवं शिक्षक सम्मान समारोह में वर्षों बाद पुराने छात्र अपने गुरुजनों से मिले तो कई चेहरे भावुक हो उठे। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों के साथ समाज की आवाज बुलंद करने वाले मऊगंज प्रेस क्लब के पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम शगुन पलैस, बायपास मऊगंज में आयोजित हुआ।

समारोह में विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं, सेवानिवृत्त एवं वर्तमान शिक्षकों, प्राचार्य, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार डॉ.



चंद्रिका प्रसाद चंद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. अमोल ढटरोही उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि ब्लोने-शिक्षकों के सम्मान में मंच पर नहीं था कोई नेताओं। चंद्रिका प्रसाद चंद ने अपने संबोधन में कहा कि

चंद्रिका प्रसाद चंद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. अमोल ढटरोही उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि ब्लोने-शिक्षकों के सम्मान में मंच पर नहीं था कोई नेताओं। चंद्रिका प्रसाद चंद ने अपने संबोधन में कहा कि

## टीएचडीसी कंपनी के द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की हो रही सराहना

सिंगरोली। टीएचडीसी कंपनी के परियोजना प्रमुख संजीव कुमार मित्तल के नेतृत्व में किये जा रहे विकास कार्यों कि जिले में चर्चा हो रही है। टीएचडीसी कंपनी भारत सरकार द्वारा संचालित कंपनी है जो कई जगह एनटीपीसी व भारत सरकार के जॉईंट वेंचर ( JV ) में मिलकर पावर प्लांट के रूप में कार्य कर रही है। सिंगरोली जिले में कोल माइंस का कार्य चल रहा है जो लगभग पचीस वर्षों का है। कंपनी पर्यावरण के क्षेत्र में अत्यंत कार्य कर रही है जहां कोयला निकाल ले रहे है वहां समतल कर पर्यावरण सम्बंधित सभी कार्य शासन के नियमानुसार किया जा रहा है। टीएचडीसी कंपनी का कन्वेयर व रेल लाइन का भी कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है कुछ दिनों में ट्रायल होने वता है।



प्रमुख की जिम्मेदारी कंपनी के द्वारा संजीव कुमार मित्तल को दी गई है तब से लगातार कंपनी विकास की ओर अग्रसर है। बता दे कि संजीव कुमार मित्तल के अनुभव का फायदा कंपनी को हो रहा है संजीव कुमार मित्तल जिले के सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों व जिले के सत्ता पक्ष व विपक्ष के सभी नेताओं व कंपनी के सभी अधिकारी -कर्मचारी से अच्छा तालमेल बनाकर कंपनी के पक्ष मे कार्य कर रहे है।

## बाढ पीड़ितों के बीच पहुंची भाजपा नेत्री पूर्णिमा तिवारी

रीवा । बाढ और अतिवृष्टि की भीषण त्रासदी के बाद भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सह कोषाध्यक्ष एवं भाजपा नेत्री पूर्णिमा तिवारी ने तराई अंचल के 28 पार क्षेत्र का सफ़न दौरा किया। उन्होंने नरमो, शिरतहा, नौवा, जानकहई एवं कोटिहा टोला संक्षिप्त विभिन्न बाढ प्रभावित गांवों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाक़ात की और बाढ से हुए नुक़सान एवं उनकी मौजूदा समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान बाढ पीड़ित ग्रामीणों ने अच्चे बीच पहुंची पूर्णिमा तिवारी को बाढ के कारण हुए नुक़सान, आवागमन, पर-गुस्ती एवं अन्य परेशानियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। भाजपा नेत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें हरसंभव सहयता उपलब्ध करने का आश्वासन दिया। पूर्णिमा तिवारी ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर प्राकृतिक आपदा के इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। प्रशासन के साथ सम्बन्ध बनाकर पीड़ितों को शासन की योजनाओं एवं राहत का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। भीषण बाढ के बाद अपने बीच भाजपा नेत्री को देखकर ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं खुलकर उनके सम्मुख रखी। पूर्णिमा तिवारी ने ग्रामीणों को शेरसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को संबधित अधिकारियों तक पहुंचाकर शीघ्र समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।इस अवसर पर संबंधित ग्रामों के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, पटवारी, रोजगार सहायक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।